20 दिसंबर, 2021 करेंट अफेयर्स

1. सीसीआई ने अमेज़न पर ₹200 करोड़ का जुर्माना क्यों लगाया?

हाल ही में, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज, Amazon पर 200 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया।

प्रमुख बातें:

- सीसीआई ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड की एक इकाई फ्यूचर कूपन के साथ 2019 के अमेज़ॅन सौदे को भी निलंबित कर दिया है।
- इस सौदे के लिए मंजूरी प्राप्त करते समय तथ्यों को छिपाने के लिए अमेज़न पर जुर्माना लगाया गया था।

क्या कहता है सीसीआई का आदेश?

सीसीआई के आदेश के अनुसार, "संयोजन और लेनदेन की फिर से जांच करना आवश्यक है"। कंपनी अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (2) के अनुसार, सीसीआई ने अमेज़ॅन को आदेश प्राप्त होने के 60 दिनों के भीतर फॉर्म II में नोटिस देने का भी निर्देश दिया था। इसके अलावा, 28 नवंबर, 2019 को दी गई मंजूरी इस तरह के नोटिस का निपटारा होने तक स्थगित रहेगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि, अमेज़ॅन ने इस सौदे के वास्तविक दायरे को

दबा दिया था और मंजूरी प्राप्त करते समय झूठे और गलत बयान दिए थे।

अमेज़न पर जुर्माना क्यों लगाया गया?

सीसीआई ने अमेज़ॅन पर 200 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, क्योंकि इस समझौते के अंतर्गत फ्यूचर रिटेल लिमिटेड शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट (एफआरएल एसएचए) की पहचान करने और उसे सूचित करने में विफल रहा था। अधिनियम की धारा 6(2) के अंतर्गत पहचान एक दायित्व था। Amazon को दो महीने के भीतर जुर्माना भरना होगा।

अमेज़न-फ्यूचर लि. समूह विवाद:

- फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) ने अगस्त 2020 में अपने खुदरा और थोक कारोबार को रिलायंस रिटेल को बेचने की घोषणा की थी। इस सौदे को अंजाम देने से पहले अमेज़न ने इस पर आपत्ति जताई थी।
- अमेज़ॅन ने आरोप लगाया कि; यह फ्यूचर कूपन के साथ हस्ताक्षरित अनुबंध का उल्लंघन है। अमेज़ॅन के अनुसार, फ्यूचर कूपन के साथ उसके समझौते ने उसे "कॉल" विकल्प दिया था।
- कॉल ऑप्शन ने इसे समझौते के 3 से 10 वर्षों के भीतर कंपनी में फ्यूचर रिटेल के सभी या कुछ हिस्से को प्राप्त करने के विकल्प का प्रयोग करने में सक्षम बनाया।
- अमेज़ॅन फ्यूचर रिटेल को सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (एसआईएसी) के समक्ष आपातकालीन मध्यस्थता में ले

गया, जहां एक आपातकालीन मध्यस्थ ने फ्यूचर रिटेल को रिलायंस रिटेल के साथ अपने सौदे के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश:

सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआईएसी के आदेश को लागू करने को बरकरार रखा था, जो फ्यूचर ग्रुप और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बीच सौदे को रोकता है।

2. गोवा मुक्ति दिवस:

गोवा मुक्ति दिवस समारोह में भाग लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 19 दिसंबर को गोवा गए थे।

प्रमुख तथ्य:

यह कार्यक्रम गोवा के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन विजय' के स्वतंत्रता सेनानियों और दिग्गजों को सम्मानित किया।

गोवा मुक्ति दिवस के बारे में:

गोवा मुक्ति दिवस प्रति वर्ष 19 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन 'ऑपरेशन विजय' की सफलता का प्रतीक है, जो भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त करने के लिए किया गया था। यह दिन पुर्तगाली शासित गोवा पर भारतीय

सशस्त्र बलों द्वारा कब्जा करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिन भारत यूरोपीय शासन से पूरी तरह मुक्त हुआ था।

कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन:

इस अवसर पर, प्रधान मंत्री ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया:

- पुनर्निर्मित किला अगुआड़ा जेल संग्रहालय
- गोवा मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक
- न्यू साउथ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल
- मोपा हवाई अड्डे पर विमानन कौशल विकास केंद्र
- डाबोलिम-नावेलिम, मडगांव में गैस-इन्सुलेटेड सबस्टेशन

प्रधान मंत्री ने गोवा में इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एजुकेशन के साथ-साथ बार काउंसिल ऑफ इंडिया ट्रस्ट के अनुसंधान की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना:

इस योजना के अंतर्गत गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का निर्माण किया गया है। इस परियोजना की कुल लागत 380 करोड़ रुपये थी। इस ब्लॉक का निर्माण प्रधान मंत्री के चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार और उच्च श्रेणी की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के दृष्टिकोण के अनुरूप किया गया था। यह अस्पताल लीवर ट्रांसप्लांट, एंजियोप्लास्टी,

बाइपास सर्जरी, डायलिसिस, किडनी ट्रांसप्लांट आदि सेवाएं मुहैया कराएगा।

अगुआड़ा किला जेल संग्रहालय का पुनर्विकास:

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत अगुआड़ा किला जेल संग्रहालय को विरासत पर्यटन स्थल के रूप में पुनः विकसित किया गया है। इसे 28 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। गोवा की मुक्ति से पहले, अगुआड़ा किले का इस्तेमाल स्वतंत्रता सेनानियों को कैद करने और यातना देने के लिए किया जाता था। संग्रहालय प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और बलिदान पर प्रकाश डालता है, जिन्होंने गोवा की मुक्ति में भाग लिया था।

3. जापानी अंतरिक्ष पर्यटक पृथ्वी पर लौटा:

हाल ही में, जापान के एक अरबपति, उनका प्रोड्यूसर और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री 12 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सोमवार को सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए। फैशन कारोबारी युसाकु मिजावा, उनके प्रोड्यूसर योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर मिसुर्किन रूसी सोयुज अंतरिक्ष यान से भारतीय समयानुसार सोमवार को सुबह पांच बजकर 20 मिनट पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए थे।

प्रमुख तथ्य:

- मेज़ावा और हिरानो 2009 के बाद से अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले स्व-भुगतान करने वाले पर्यटक हैं।

- दूसरी ओर, मिसुर्किन अपने तीसरे अंतरिक्ष मिशन पर थे।

पृष्ठभूमि

उनसे पहले, रूसी अभिनेता यूलिया पेरसिल्ड और फिल्म निर्देशक क्लिम शिपेंको ने पृथ्वी की कक्षा में दुनिया की पहली फिल्म बनाने के लिए अक्टूबर 2021 में अंतरिक्ष स्टेशन पर 12 दिन बिताए थे। इस परियोजना को रूस के अंतरिक्ष निगम रोस्कोस्मोस द्वारा प्रायोजित किया गया था।

अंतरिक्ष पर्यटन:

अंतरिक्ष पर्यटन का अर्थ है मनोरंजक उद्देश्यों के लिए मानव अंतरिक्ष यात्रा। विभिन्न प्रकार के अंतरिक्ष पर्यटन में कक्षीय, उपकक्षीय और चंद्र अंतरिक्ष पर्यटन शामिल हैं। 2001 से 2009 के बीच, सात अंतरिक्ष पर्यटकों ने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रूसी सोयुज अंतरिक्ष यान में सवार होकर सही अंतरिक्ष उड़ानें भरी थीं। अंतरिक्ष एडवेंचर्स द्वारा रोस्कोस्मोस और आरएससी एनर्जिया के सहयोग से उड़ान की दलाली की गई थी। बाद में 2010 में, रूस ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में चालक दल के आकार में वृद्धि के कारण कक्षीय अंतरिक्ष पर्यटन को रोक दिया। लेकिन 2021 में, सोयुज MS-20 के प्रक्षेपण के साथ रूसी कक्षीय पर्यटन फिर से शुरू हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस):

ISS, एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन है, जो पृथ्वी की निचली कक्षा में है। यह एक बहुराष्ट्रीय सहयोगी परियोजना है जिसमें पांच प्रतिभागी अंतरिक्ष एजेंसियां शामिल हैं:

1. नासा (संयुक्त राज्य अमेरिका)
2. रोस्कोस्मोस (रूस)
3. जाक्सा (जापान)
4. ईएसए (यूरोप)
5. सीएसए (कनाडा)

IIS का स्वामित्व और उपयोग अंतर-सरकारी संधियों और समझौतों द्वारा स्थापित किया गया है। अंतरिक्ष स्टेशन अंतरिक्ष यान प्रणालियों और उपकरणों का परीक्षण करने के लिए यह उपयुक्त है जो मंगल और चंद्रमा के लिए संभावित भविष्य की लंबी अवधि के मिशन के लिए आवश्यक हैं।

4. के. श्रीकांत ने BWF वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत जीता:

हाल ही में, शटलर किदांबी श्रीकांत BWF विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्ति बने।

प्रमुख बिंदु

- फाइनल में उन्हें सिंगापुर के लोह कीन यू ने 21-15, 22-20 से हराया।

- यह पहली बार था जब सिंगापुर के किसी पुरुष खिलाड़ी ने BWF विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

2021 BWF विश्व चैंपियनशिप:

2021 BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप को प्रायोजन के उद्देश्य से आधिकारिक तौर पर "Total Energies BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप 2021" के रूप में जाना जाता है। यह बैडमिंटन टूर्नामेंट 12 से 19 दिसंबर, 2021 तक स्पेन के ह्यूएलवा में आयोजित किया गया था। ह्यूएलवा को नवंबर 2018 में इस इवेंट से सम्मानित किया गया था, जब 2019 से 2025 तक 18 प्रमुख बैडमिंटन इवेंट होस्ट के लिए घोषणा की गई थी।

Total Energies SE के बारे में:

यह एक फ्रांसीसी बहुराष्ट्रीय एकीकृत तेल और गैस कंपनी है, जिसे 1924 में स्थापित किया गया था। इसके व्यवसायों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज और बिजली उत्पादन, शोधन, परिवहन, अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पाद व्यापार और पेट्रोलियम उत्पाद विपणन शामिल हैं। यह एक बड़े पैमाने पर रसायन निर्माता भी है।

श्रीकांत किदाम्बिक

वह एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जो हैदराबाद में गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में प्रशिक्षण लेते हैं। अप्रैल 2018 में, उन्हें BWF रैंकिंग में विश्व नंबर 1 के रूप में स्थान दिया गया था। उन्हें

2018 में भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री और 2015 में अर्जुन पुरस्कार भी मिला है। वह पुरुषों के एकल में 2021 BWF विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने और रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।

5. भारतीय नौसेना ने मोरमुगांव के लिए पहला समुद्री परीक्षण किया

हाल ही में, भारतीय नौसेना ने अरब सागर में भारतीय नौसेना के स्वदेशी रूप से निर्मित स्टेल्थ डिस्ट्रॉयर मोरमुगाओ के लिए पहला समुद्री परीक्षण किया।

मुख्य बिंदु:

- यह युद्धपोत प्रोजेक्ट P-15B के अंतर्गत बनाया गया है।
- इसका विकास पुर्तगाली शासन से गोवा की मुक्ति की 60वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है।
- मोरमुगाओ दूसरा स्वदेशी स्टेल्थ डिस्ट्रॉयर है, जिसे प्रोजेक्ट P-15B के अंतर्गत बनाया जा रहा है।
- इसके 2022 के मध्य में कमीशन होने की संभावना है।

मोरमुगाओ का निर्माण कौन कर रहा है?

- मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDSL) में स्टेल्थ डिस्ट्रॉयर मोरमुगाओ बनाया जा रहा है।

प्रोजेक्ट P-15B के अंतर्गत पहला जहाज:

INS विशाखापत्तनम P-15B प्रोजेक्ट के अंतर्गत बनाया गया पहला जहाज था। इस जहाज को 21 नवंबर, 2021 को मुंबई में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

भारत का विध्वंसक निर्माण कार्यक्रम (India's Destroyer Construction Programme):

भारत का स्वदेशी विध्वंसक निर्माण कार्यक्रम 1990 के दशक के अंत में तीन दिल्ली श्रेणी (P-15 वर्ग) के युद्धपोतों के साथ शुरू किया गया था। इसके बाद तीन कोलकाता श्रेणी (P-15A) विध्वंसक थे।

प्रोजेक्ट P-15B:

इस परियोजना के अंतर्गत विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ, इंफाल और सूरत नामक कुल चार युद्धपोतों की योजना बनाई गई है। ये गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई में निर्माणाधीन हैं। इन जहाजों के लिए 2011 में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन जहाजों को दुनिया भर में सबसे अधिक तकनीकी रूप से उन्नत निर्देशित मिसाइल विध्वंसक में गिना जाता है। इसमें अत्याधुनिक हथियार या सेंसर पैकेज, उच्च स्तर के स्वचालन और एडवांस्ड स्टेल्थ फीचर्स जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

P-15B जहाजों की विशेषताएं:

P-15B जहाज लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (SAM) और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों से लैस

हैं। यह मध्यम दूरी के SAM, पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, स्वदेशी टारपीडो ट्यूब लॉन्चर और 76-मिमी सुपर रैपिड गन माउंट जैसी विभिन्न स्वदेशी हथियार प्रणालियों से भी लैस है।

इस परियोजना के चार जहाज:

विशाखापत्तनम: इसे नवंबर 2021 में भारतीय नौसेना को दिया गया था।

मोरमुगाओ: इसे 2016 में लॉन्च किया गया था और हाल ही में इसका हार्बर ट्रायल किया गया।

इम्फाल: इसे 2019 में लॉन्च किया गया था। वर्तमान में, यह आउटफिटिंग के एक उन्नत चरण में है।

सूरत: यह ब्लॉक इरेक्शन के अंतर्गत है। यह जहाज 2022 में लॉन्च किया जायेगा।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

6. महाराष्ट्र: कुत्ते 'कैनाइन पैरोवायरस' से प्रभावित

नवंबर 2021 में, अमरावती शहर में लगभग 2,000 पालतू और आवारा कुत्ते कैनाइन पैरोवायरस से प्रभावित हुए थे। पशु चिकित्सकों ने भी पालतू जानवरों के मालिकों को गंभीर प्रकोप के प्रति आगाह किया।

कैनाइन पैरोवायरस के बारे में:

- यह एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है, जो कुत्तों के लिए जानलेवा हो सकती है।
- यह वायरस कुत्तों के आंतों के मार्ग को प्रभावित करता है।
- पिल्ले इस वायरस के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।
- वायरस से जुड़े लक्षणों में शामिल हैं- उल्टी, खूनी दस्त, निर्जलीकरण, भारी वजन घटाने और सुस्ती।
- पैरोवायरस से 90 प्रतिशत मृत्यु दर की सूचना है।

अमरावती में मामले:

- अमरावती में, नवंबर 2021 में लगभग 2000 पालतू और आवारा कुत्ते पैरोवायरस से प्रभावित हुए थे। शहर में कुत्तों की आबादी 50 % थी।
- अमरावती स्थित WASA संरक्षण संगठन के अनुसार, सरकार द्वारा संचालित क्लिनिक को रिपोर्ट मिल रही है कि प्रतिदिन 20 कुत्ते इस वायरस से प्रभावित होते हैं।
- विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण पालतू जानवरों में परवोवायरस के मामले बढ़ रहे हैं। इस महामारी ने कई पालतू जानवरों के मालिकों को अपने कुत्तों के समय पर टीकाकरण से चूकने के लिए मजबूर किया है।
- इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों में, पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम लागू नहीं किया गया है। इससे गली के कुत्तों में परवोवायरस के मामले बढ़ रहे हैं क्योंकि जन्म नियंत्रण कार्यक्रम आवारा कुत्तों की आबादी, कुत्ते के टीकाकरण और रेबीज को नियंत्रित करने में मदद करता है।

वाइरस का फैलाव:

पैरोवायरस, संक्रमित कुत्ते के सीधे संपर्क से या किसी दूषित वस्तु के अप्रत्यक्ष संपर्क से फैलता है, जैसे संक्रमित कुत्तों को संभालने वाले लोगों के हाथ और कपड़े। कुत्ते सूंघने, चाटने या संक्रमित मल का सेवन करने से वायरस के संपर्क में आ जाते हैं। वायरस अप्रत्यक्ष रूप से तब भी संचारित हो सकता है जब कुत्ते उस व्यक्ति के संपर्क में आते हैं, जो हाल ही में किसी संक्रमित कुत्ते के संपर्क में आया है या जब कुत्ते दूषित वस्तु के संपर्क में आते हैं, जैसे कि भोजन या पानी का कटोरा, कॉलर और पट्टा।

7. LogiXtics: DPIIT ने लॉजिस्टिक्स के लिए हैकथॉन लॉन्च किया

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने लॉजिस्टिक्स उद्योग के लाभ के लिए अधिक विचारों को बाह्य स्रोतों से प्राप्त करने के लिए यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (ULIP) हैकथॉन को 'LogiXtics' कहा।

यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) हैकथॉन के बारे में:

- यूलिप को पूरे भारत में दक्षता बढ़ाने और रसद लागत को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक पारदर्शी मंच बनाकर इस उद्देश्य को प्राप्त किया जायेगा जो सभी हितधारकों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेगा और सभी विषम जानकारी को दूर करेगा।

- यूलिप हैकथॉन - लॉजिकिक्सिक्स का आयोजन नीति आयोग और अटल इनोवेशन मिशन द्वारा किया जा रहा है।
- यह एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीएसएल) और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआईसीडीसी) द्वारा भी समर्थित है।
- यूलिप की अवधारणा रसद क्षेत्र में एक प्रौद्योगिकी मंच के रूप में की गई थी।

यूलिप का उद्देश्य

यूलिप को सभी हितधारकों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है।

यह साइलो में काम कर रहे कई मंत्रालयों या विभागों की मौजूदा प्रणालियों में मल्टी-मोडल परिवहन की दृश्यता को अभिसरण करेगा।

यूलिप लॉजिस्टिक लागत को कम करके और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाकर लॉजिस्टिक क्षेत्र को बदल देगा।

यूलिप पीएम गतिशक्ति के उद्देश्य के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत साइलो को तोड़ना, कई मंत्रालयों या विभागों के बीच एकीकरण को बढ़ावा देना और वास्तविक सिंगल विंडो को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी):

नीति आयोग ने लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक प्रोजेक्ट का लाभ उठाकर ULIP विकसित करने के लिए जनवरी 2021 में NICDC विकसित किया था।

LogiXtics के बारे में:

यूलिप के अंतर्गत, लॉजिस्टिक्स, लॉजिस्टिक्स उद्योग में मौजूदा मुद्दों को हल करने के लिए राष्ट्रीय स्तर के मंच पर अपने रणनीतिक, कोडिंग और डोमेन कौशल का प्रदर्शन करने के लिए सभी को आमंत्रित करता है। यूलिप प्लेटफॉर्म के विजन को प्राप्त करने के लिए हैकाथॉन महत्वपूर्ण है।

8. एनसीसी कैडेटों द्वारा रचित 'राष्ट्रीय एकता गीत' का शुभारंभ:

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में राष्ट्रीय एकता गीत का शुभारंभ किया, जिसे राष्ट्रीय कैडेट कोर कैडेटों ने तैयार किया है।

प्रमुख बिंदु:

- राष्ट्रीय एकता गीत की 22 भाषाओं में रचना की गयी है। यह राष्ट्रीय एकता के विषय पर आधारित है।
- इसे विजय श्रृंखला और संस्कृतियों के महासंगम अभियान के ग्रैंड फिनाले के दौरान लॉन्च किया गया था।
- आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में नई दिल्ली में एनसीसी द्वारा मेगा इवेंट आयोजित किया गया था।

- इस अभियान का समापन 'संस्कृतियों का महा संगम' के साथ हुआ, जिसमें चयनित एनसीसी कैडेटों ने एकत्र होकर अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के बारे में:

एनसीसी भारतीय सशस्त्र बलों की युवा शाखा है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। एनसीसी एक त्रि-सेवा संगठन के रूप में स्वैच्छिक आधार पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए खोला गया है, जिसमें थल सेना, वायु सेना और नौसेना शामिल हैं। वे भारत के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों के रूप में विकसित करने में लगे हुए हैं। यह एक स्वैच्छिक संगठन है, जो उच्च विद्यालयों, उच्च माध्यमिक, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से कैडेटों की भर्ती करता है। सभी युवा कैडेटों को छोटे हथियारों और ड्रिल में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है।

पृष्ठभूमि:

एनसीसी की स्थापना 1950 के अधिनियम द्वारा की गई थी। इसकी स्थापना का पता 'यूनिवर्सिटी कोर' से लगाया जा सकता है, जिसे भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के अंतर्गत स्थापित किया गया था। इसे सेना की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। 1920 में, यूटीसी की स्थिति को बढ़ाने और इसे युवाओं के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से 'यूनिवर्सिटी कोर' को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कॉर्प्स (यूटीसी) द्वारा परिवर्तित कर दिया गया था।